विद्या भवन बालिका विद्या पीठ

वर्ग :– पंचम दिनांक :- 08,01,21

विषय :– सी,सी,ए

विषय शिक्षक :- प्रज्ञा

नीचे लिखें कहानी को पढे

Scanned with CamScanner

अब गुरु जा न समझाया, हमन तान अलग अलग चाजा को समान विपत्ति से गुज़रा, यानी कि तीनों को समान रूप से पानी में उबाला लेकिन बाहर आने पर तीनों चीजें एक जैसी नहीं मिली।

आलू जो कठोर था वो मुलायम हो गया, अंडा पहले से कठोर हो गया और चाय की पत्ती ने भी अपना रूप

Scanned with CamScanner

बाद काफी मुलायम हो गया था।

जब छात्र ने, अंडे को उठाया तो देखा जो अंडा पहले

Scanned with CamScanner

छात्रा का समझाना चाहत थ ाक प्रकात सभा का समान अवसर देती हैं और उस अवसर का इस्तेमाल करके अपना भाग्य खुद बना सकते है। इसी बात को ठीक तरह से समझाने के लिए गुरूजी ने तीन कटोरे लिए। पहले कटोरे में एक आलू रखा, दूसरे में अंडा और तीसरे कटोरे में चाय की पत्ती डाल दी।

अब तीनों कटोरों में पानी डालकर उनको गैस पर उबलने के लिए रख दिया।

सभी छात्र ये सब हैरान होकर देख रहे थे लेकिन किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा था। बीस मिनट बाद जब तीनों बर्तन में उबाल आने लगे, तो गुरूजी ने सभी कटोरों को नीचे उतरा और आलू, अंडा और चाय को बाहर निकाला।

अब उन्होंने सभी छात्रों से तीनों कटोरों को गौर से देखने के लिए कहा। अब भी किसी छात्र को समझ नहीं पा रहा था|

Scanned with CamScanner